



आफरीन की मस्त चुदाई-2

“ऑफ़िस की लड़की के साथ मैं उसके रूम में था और हम एक दूसरे को चूम रहे थे। मैंने धीरे धीरे उसके कपड़े उतारने शुरू किए। आगे क्या हुआ, इस कहानी में पढ़िये। ...”

Story By: sandy mathur (sandymathur)

Posted: Saturday, September 3rd, 2016

Categories: [ऑफ़िस सेक्स](#)

Online version: [आफरीन की मस्त चुदाई-2](#)

आफरीन की मस्त चुदाई-2

अब तक आपने पढ़ा..

आफरीन और मैं एक-दूसरे को चूमने लगे थे..

अब आगे..

चूमा चाटी करते करते मैंने उसे बिस्तर पर गिरा दिया.. और मैंने उसे उल्टा लिटा दिया, उसकी पीठ पर कुर्ते के ऊपर से ही चूमने लगा।

वो पागल होती जा रही थी।

कुछ मिनट ये सब चलने के बाद मैंने उसके मम्मों को पकड़ लिया।

इस बार उसने मुझे नहीं रोका और मेरा साथ देने लगी, उसके मुँह से सेक्सी आवाजें आ रही थीं 'ओह.. आहह.. उउम्मम्म.. अह.. सैंडी लव मी..'

मैंने उसका कुरता उतारना शुरू किया जिसमें उसने मेरा पूरा साथ दिया।

अब वो सिर्फ गुलाबी ब्रा और काली सलवार में मेरे सामने थी।

मैं भी सब कुछ भूल चुका था और पागलों की तरह उसे प्यार कर रहा था।

अब मैंने उसके मम्मों को ब्रा के ऊपर से ही चूसना शुरू कर दिया।

वो और पागल हो गई.. मेरा सर पकड़ कर अपने मम्मों पर दबाने लगी।

मैंने उसकी गर्दन पर किस करना शुरू कर दिया और अपने दोनों हाथों को उसके पीछे ले जाकर उसकी ब्रा के हुक को खोलने लगा.. पर वो मुझसे खुल नहीं रही थी।

इस मामले में मैं थोड़ा नया खिलाड़ी था।

वो फिर से हँसने लगी और खुद ही ब्रा उतार दी।

मेरी आँखों में रोशनी सी आ गई.. उसके सुडौल मम्मों को देख कर मेरा बुरा हाल हो गया था। वो क्या कयामत माल लग रही थी।

मैंने देर ना करते हुए उसके मम्मों को मुँह में ले लिया.. और ज़ोर-ज़ोर से उन्हें एक-एक करके चूसने लगा।

वो भी मेरा साथ बराबर दे रही थी..

उसने हाथों के इशारे से मुझे भी शर्ट उतारने को कहा।

मैंने शर्ट उतार दी।

अब हम दोनों एक-दूसरे को जंगलियों की तरह चूम रहे थे, पूरे कमरे में आवाजें गूँज रही थीं उम्म.. मम्मच.. आहह.. आआहह..

मैंने धीरे से एक हाथ उसकी सलवार के ऊपर से ही उसकी चूत पर रख दिया।

वो एकदम भट्टी की तरह गर्म हो रही थी, मैं अपनी उंगलियां चलाने लगा।

कुछ देर में उसने भी मेरे लंड पर हाथ रख दिया.. जो कि पहले से ही टाइट था और अब और टाइट हो गया था।

मुझसे अब रहा नहीं जा रहा था.. मैंने उसकी सलवार के अन्दर हाथ डाल कर उसकी चूत को पहली बार छुआ.. बड़ा ही मज़ा आ रहा था, उसकी चूत पानी छोड़ चुकी थी।

मेरा हाथ सही से अपना काम नहीं कर पा रहा था तो मैंने उसका नाड़ा खोलना शुरू किया और नाड़ा खुलते ही उसकी सलवार नीचे करने लगा.. जिसमें उसने भी मेरा साथ दिया।

उसने अपनी मस्त सी गाण्ड उठा कर सलवार को अलग कर दिया, अब वो सिर्फ़ पैन्टी में

मेरे सामने थी, वो भी गुलाबी रंग की थी और उसकी चूत गर्म हो कर फूल गई थी।

मैंने फिर से उसकी पैन्टी में हाथ डाला और चूत में उंगली डाल कर उससे खेलने लगा।
वो कभी मेरे सर के बालों को पकड़ती.. कभी मेरी पीठ पर अपने नाखून चुभा देती.. पर मेरा ध्यान सिर्फ उसकी चूत पर था।

मैंने धीरे से उसकी पैन्टी को उतार दिया।

अब मैं उसकी चूत को देख सकता था... कमरे की रोशनी में एकदम क्लीन शेव.. गुलाबी से दो होंठ चिपके थे।

मेरा मन उसे चूमने का था.. तो मैं नीचे की ओर झुका।

वो बोली- यह क्या कर रहे हो ?

मैंने उससे कहा- यार मत रोको मुझे.. मैं एक बार इसे किस करना चाहता हूँ।

उसने कहा- पर जल्दी करना.. मुझे ये सब अच्छा नहीं लगता।

मैं उसकी मर्जी के बिना कुछ नहीं करना चाहता था.. पर मैंने अपनी लाइफ में कभी चूत नहीं चाटी थी।

अन्तर्वासना की कहानियों को पढ़ कर लगता था कि इसमें भी कुछ नया सा मज़ा आता है.. तो मैंने वो भी अपनी जिन्दगी में पहली बार ट्राई किया, मैंने अपने होंठ उसकी चूत के होंठों पर रख दिए।

सच में आफरीन हिल गई.. उसको झटका सा लगा.. पर जब तक वो कुछ समझ पाती.. तब तक मैंने अपनी जीभ उसकी चूत में घुसा दी और चाटने लगा।

वो मेरे सर के बालों को पकड़ कर मेरा सर अपनी चूत पर दबाने लगी।

मेरे लिए भी ये सब नया सा था, टेस्ट कुछ नमकीन था.. पर मुझे मज़ा आ रहा था।

अब उसके मुँह से सेक्सी सी आवाजें निकल कर पूरे कमरे में गूँजने लगी थीं 'आहह सैंडी.. प्लीज़.. उम्मह.. ओह सैंडी फक मी..'

मैंने सही अवसर देखते हुए उसे बिस्तर पर सीधा लिटा दिया और अपनी पैन्ट और चड्डी उतार दी।

मेरे लंड का तो बुरा हाल था.. वो भी फूल कर और भी मोटा ओर लंबा हो गया था। मेरा लंड बहुत लम्बा तो नहीं है.. पर इतना है कि किसी लड़की को सही से चोद कर संतुष्ट कर सकता है।

उसने मेरे लंड को देखा और अपने हाथों में ले लिया।

वो और भी टाइट हो गया था।

अब आफरीन ने मुझसे कहा- सैंडी मैं भी इससे किस करना चाहती हूँ।

मैंने कहा- मेरी जान आज से ये तुम्हारा ही तो है.. जो मन करे वो करो।

उसने मेरे लंड के टोपे पर किस किया।

मैं बड़ा ही अच्छा फील कर रहा था, मैंने उसके सर को पकड़ा और अपने लंड पर दबाने लगा।

पहले तो उसने मेरा विरोध किया.. फिर थोड़ा सा और अन्दर ले लिया। अब वो मेरे लंड को ऐसे चूस रही थी कि जैसे एक छोटा बच्चा कुल्फी चूसता है।

मैं अपना कंट्रोल खो रहा था और धीरे-धीरे अपना लंड आगे-पीछे करने लगा।

मैंने अपना लवड़ा पूरा उसके गले तक अन्दर डाल दिया.. वो भी अब इस मजे को एंजाय कर रही थी।

कुछ मिनट चूसने के बाद मुझे लगा कि मैं आने वाला हूँ।

मैंने उसे बता दिया.. उसने अपने आपको चालू रखा और मैं उसके मुँह में ही झड़ गया। मुझे इतना मज़ा आज से पहले कभी नहीं आया था, मेरे लिए ये सब एक नया सा अनुभव था।

मैंने फिर उसे बेड पर लिटा कर उसकी चूत को चूसना शुरू कर दिया। इस बार मैं भी उसे भरपूर मज़ा दे रहा था, वो भी अपनी गाण्ड उठा-उठा कर मेरा साथ दे रही थी.. और मेरा सर अपनी चूत पर दबा रही थी।

वो झड़ने वाली थी.. उसका बदन अकड़ने लगा। फिर उसने गरम-गरम सा रज मेरे मुँह में छोड़ दिया।

अब हम दोनों थोड़ा रिलेक्स फील कर रहे थे।

हम दोनों बिस्तर पर एक-दूसरे के बगल में लेट गए.. और एक-दूसरे से चिपकने लगे। हमारा बदन एक-दूसरे की गर्मी को महसूस कर रहा था.. दोनों नंगे जिस्म एक-दूसरे को जकड़े हुए थे।

मेरा लंड फिर से गरम होने लगा और अपने साइज़ में आने लगा।

यह देख कर आफरीन फिर से हँसने लगी और बोली- इसे अभी चैन नहीं मिला क्या ? मैंने कहा- मेरी जान, अभी तो सब मजा बाकी है।

तो वो भी बोली- कुछ बाकी मत छोड़ना.. मुझे भी बहुत दिनों से किसी का प्यार नहीं मिला है।

मैंने कहा- मेरी जान मैं तुम्हें आज के बाद हमेशा खुश रखूँगा और भरपूर प्यार करूँगा।

वो बोली- मेरे बॉयफ्रेंड ने लास्ट टाइम मुझे 4-5 महीने पहले चोदा था.. अब तक ऐसा कोई नहीं मिला.. जिसने मुझसे उसके सिवा छुआ भी हो।

अब उसने अपना अनुभव दिखाया.. वो मेरे ऊपर आ गई और मेरे सीने पर किस करने लगी।

फिर उसने अपने हाथों से पकड़ कर मेरा लंड अपनी चूत के मुँह पर रख दिया। बाकी काम मुझे करना था।

मैंने हल्का सा धक्का दिया.. उसकी चूत गीली होने की वजह से मेरा लंड सरकता हुआ आधा अन्दर चला गया और उसके मुँह से एक प्यारी सी आवाज़ आई 'अह्ह्ह्ह्ह्ह.. हम्मम्म .. प्लीज़ सैंडी धीरे करो.. अब तो मैं सिर्फ़ तुम्हारी ही हूँ..'

मैंने कहा- मेरी रानी अब तो मैं तुझे ज़ी भर के प्यार करूँगा और तेरी प्यास को मिटाता रहूँगा.. और तुम्हारी इस चूत को भी मेरी आदत हो जाएगी।

यह कहते ही मैंने अचानक एक और जोरदार धक्का लगा दिया।

वो संभाल नहीं पाई थी और उसके मुँह से एक ज़ोरदार चीख निकली 'आअहहह.. उमाआ.. आह सैंडी.. क्या करते हो.. आराम से करो मेरी जान..'

अब मैंने थोड़ा रुक कर धीरे-धीरे धक्के लगाने शुरू कर दिए, वो मेरी गोद में बैठी आराम से चुद रही थी।

फिर मैं उसे नीचे लिटा कर उसके ऊपर आ गया.. और ज़ोर-ज़ोर से उसे चोदने लगा, पूरे कमरे में मस्त चुदासी आवाज़ें आ रही थीं 'हम्मर.. अहह.. सैंडी फाड़ दो आज मेरी चूत को.. बुझा दो मेरी प्यास..'

मैंने कहा- मेरी जान तुम बस देखती जाओ.. आज जो मज़ा तुम्हें आएगा.. वो तो उस कमीने ने भी नहीं दिया होगा.. ना जाने वो कैसे इतनी खूबसूरत लड़की को धोखा दे सकता है।

मेरे धक्के तेज़ होते जा रहे थे और आफरीन भी गाण्ड उठा-उठा कर मेरा साथ दे रही थी। मैंने अपनी स्पीड और तेज़ कर दी, वो अब तक बीच में एक बार पहले भी झड़ चुकी थी, पूरे कमरे में 'फक्च.. फक्च..' की आवाज़ गूँज रही थी।

मैंने उससे कहा- मेरी जान.. मैं झड़ने वाला हूँ..
वो बोली- प्लीज़ बाहर मत निकलना.. मैं तुम्हें महसूस करना चाहती हूँ।

मैं और तेज़ होता चला गया।
लम्बी चुदाई अब ख़त्म होने वाली थी.. मैं एक ज़ोरदार धक्के के साथ चूत में झड़ने लग गया और मेरे साथ आफरीन भी झड़ने लगी, उसका पूरा बदन अकड़ने लगा, उसने मुझे कस कर अपनी टाँगों और हाथों से पकड़ लिया था।

हम दोनों एक-दूसरे से चिपक गए और देर तक ऐसे ही लेटे रहे।
हम दोनों पसीने से लथपथ थे.. जबकि कमरे में पंखा फुल स्पीड पर था।

अब हम दोनों हल्का महसूस कर रहे थे, मैंने उसके माथे पर किस किया।
वो बोली- सैंडी.. यार इतना मज़ा मुझे आज तक नहीं आया।

मैंने उसे समझाया- यार, किसी एक के लिए ज़िंदगी मत बर्बाद करो.. लाइफ में और भी बहुत कुछ है और तुम्हारी फैमिली भी तो है।

वो मुझसे चिपक गई और कहने लगी- यार सैंडी मैंने अपने घर वालों की भी बात नहीं सुनी थी.. अब मेरे अब्बू मुझसे बात तक नहीं करते.. बस मेरी अम्मी से कभी-कभी फ़ोन पर बात हो जाती है।

मैंने कहा- अपनी फैमिली से जाकर मिलो और उन्हें प्यार से 'सॉरी' बोलो.. और हाँ अपनी माँ ओर डैड से अपनी नई लाइफ के लिए रिक्वेस्ट करना.. आखिर है तो माँ-बाप ही.. वे

तुम्हें जरूर माफ़ कर दूँगे ।
उसने 'हाँ' में सर हिलाया ।

मैंने टाइम देखा तो 8.45 हो रहे थे.. मैं झट से उठा और फ़ेश होकर कपड़े पहनने लगा..
आफ़रीन भी फ़ेश हो गई ।
फ़िर मैं घर की ओर चलने लगा ।
जाते-जाते आफ़रीन ने मुझे गेट पर फ़िर से एक लंबा सा किस किया और मैं अपने घर आ गया ।

उस दिन के बाद जब भी हमें मौका मिलता.. उसके कमरे पर खूब मस्ती करते ।

आज आफ़रीन अपनी फैमिली के साथ है.. उसके घरवालों ने उसे माफ़ कर दिया है ।
उसके घरवालों ने उसकी शादी अच्छी जगह करवा दी है । उसका पति अच्छा आदमी है
और वो उसे खुश रखता है । आज उसकी एक लड़की भी है ।

हम अब सिर्फ़ कभी-कभी फ़ोन पर ही बात कर पाते हैं ।

आज इतने सालों बाद मैंने यह स्टोरी लिखी है.. जिसमें उसकी मज़ी शामिल है ।
मेरी फ़्रेंड आज बस खुश है मैं यही चाहता था । मैं अकेला हो गया हूँ.. पर उसकी यादें मेरे साथ हैं ।

दोस्तो, ये मेरी पहली कहानी है.. अपने रिस्पॉन्स प्लीज़ मुझे मेल करें ।

sandymathur28@gmail.com

Other stories you may be interested in

मेरी सहेली मेरे ग्रैंडफादर से चुद गयी-2

कहानी का पहला भाग : मेरी सहेली मेरे ग्रैंडफादर से चुद गयी-1 “ओह नो ... इट्स हॉरिबल..” मेरे मुख से निकला. अन्दर जो हो रहा था उसे देख कर मैं शॉकड रह गयी थी. अन्दर मेरे दादा जी मेरी सहेली सोनल [...]

[Full Story >>>](#)

ऑफिस वाली भाभी की चुदासी चुत

दोस्तो, मैं सोनू उर्फ सैंडी, गुजरात के सोमनाथ से हूँ. मेरी हाइट 5 फुट 7 इंच है और लंड का साइज 8 इंच है. मेरी बाँडी सिंगल है. इस साईट पे यह मेरी तीसरी सेक्स कहानी है, अगर कहानी में [...]

[Full Story >>>](#)

चलती ट्रेन में चूत चुदाई का पहला अनुभव

नमस्ते दोस्तो, मैं करीब 4 साल से अन्तर्वासना का नियमित पाठक हूँ. यह कहानी मेरा पहला अनुभव है, जो कि इसी दिसंबर महीने में हुआ. सबसे पहले मैं आपको अपना परिचय दे दूँ. मैं जोधपुर का रहने वाला हूँ, मेरा [...]

[Full Story >>>](#)

मेरे मामा की लड़की मेरी दिलबर

नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम सम्राट है और अन्तर्वासना की कहानियाँ पढ़कर मुझे भी अपनी सच्ची दास्तान सुनाने की इच्छा हुई. समय बर्बाद न करते हुए मैं आता हूँ अपनी कहानी पर। वो कहते हैं न कि प्यार कहीं भी किसी [...]

[Full Story >>>](#)

कुंवारी कजिन सिस्टर के साथ सेक्स का मजा

दोस्तो, मेरा नाम शुभम है और मैं चंडीगढ़ से हूँ. मेरी उमर 23 साल की है. मैं दिखने में स्मार्ट हूँ और मेरा रंग साफ़ है. मेरे लंड का साइज साढ़े छह इंच का है. आज मैं आपको सेक्स कहानी [...]

[Full Story >>>](#)

